







## सिटी ब्रीफ

नरसिंग कैडेटों के 12वें बैच की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ का यात्री स्थित एप्सी सेट एवं कॉलेज के मेजर लैशाय यज्ञितन सिंह एवं औद्योगिक यात्रियों को कमान अस्पताल स्थित नरसिंग कैडेट के बीएससी नरसिंग कैडेटों के 12वें बैच की शुरुआत दीप प्रज्ञान कैडेट के 12वें बैच हुआ। इस अवसर पर एप्सी सेट एवं कॉलेज के मेजर लैशाय के कमांडेट, आईआईसी रिकॉर्ड्स और एप्सी के कॉर्नल कमांडेट लेपिटेनेट जनरल शिवेंद्र निष्ठ मुख्य अतिथि थे। मध्य कमान अस्पताल के कॉर्नल मेजर जनरल शिवेंद्र निष्ठ भला ने नरसिंग कैडेटों को चुनौतियों का सामना करने, अपने प्रशिक्षण की जिम्मेदारियों के साथकी निर्वहन के लिए प्रोत्ताहित किया। शिक्षक ऐसी योग्यता का ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण का प्रकाश सौंपने का मासारह लायनी के विराष अधिकारियों, उनकी पर्याप्त नारार्क नरसिंग सहकारीयों और अधिकारियों की उपरिधिति में संपन्न हुआ। नवोदित नरसिंग एप्सी घोरे के प्रतीत अपनी निष्ठा की शाश्य ली।



रिग्रेजुएशन सेरेमी में खुशी प्रकट करते पूर्व छात्र।



कक्षा में समस्या हल करते पूर्व छात्र।

## स्मृतियां सहेजने जुटे आईआईएम के पूर्व छात्र

नॉस्टेलिज्या-2025 में जुटे देश-विदेश के पूर्व छात्र, तीन दशक पुराने गिरों से गिलकर खिले चेहरे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ



तीन दशक पुराने छात्रों को कक्षा में पढ़ाते शिक्षक।

कैपस टूर से हुई, जिसमें पूर्व छात्रों प्रमुख स्थल देखे।

ने कक्षाएं, छात्रावास और परिसर के उद्घाटन सभी में निदेशक प्रो. एप्सी

गुप्ता ने कहा कि विभिन्न देशों से पूर्व छात्रों की उपस्थिति हमारे वैश्विक एलमनी नेटवर्क की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने वर्तमान बैच के छात्रों को मेटर करने और एलमनी सहभागिता को बोगलूरु और मुंबई तक बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया। चेयररसन एलमनी अफेयर्स प्रो. राजेश के एथेने ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ प्रोफेशनल शैक्षणिक, आईटी एक्सपर्ट और सीईओ की जीने का अवसर है। अनुष्ठान नहीं, बल्कि उन यादों और अनुष्ठानों को जीने का अवसर है। इस कार्यक्रम में बैच वॉर्स, खेल प्रदर्शित किया।

प्रतियोगिताओं के साथ ही प्रो. आर. के. श्रीवास्तव (रॉकी सर) ने केस स्टडी और समस्या हल करने की कक्षा लगाई। रिग्रेजुएशन सेरेमी में पूर्व छात्रों ने दीक्षात परिधान पहनकर पुरानी यादें ताजा की। दुनिया भर में कार्यरत 300 से अधिक पूर्व छात्रों ने सहभागिता की, जिनमें प्रमुख राजेश के एथेने ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ प्रोफेशनल शैक्षणिक, आईटी एक्सपर्ट और सीईओ की जीने का अवसर है। उनका कहना है कि अमेरिकी टैरेनर का भारत पर स्टार्टअप के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका में इसका लाभ मिलेगा। अमेरिका की भारत की वैश्विक स्तर पर उत्पादों की जीना बना रहे हैं। भारत ने यूके और जापान को पेंछे छोड़ दिया है, जो वैश्विक स्तर पर देश की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। मदन कुमार मुट्ठी और लैब्स नामक संस्थानों के प्रमुख वैश्विक वैज्ञानिकों की जीने का अवसर है। वह चेन्नई के निवासी है और आईआईएम लखनऊ के 1995 बैच के छात्र रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी टैरेनर का भारत पर अल्पकालिक असर जरूर पड़ेगा, लेकिन दीर्घावधि नेटवर्क की ताकत को इसका लाभ मिलेगा। अमेरिका की भी सस्ते और गुवाहाटीपूर्ण उत्पादों की जीना बना रहा है।

## विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था नारा नहीं, हकीकत है

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• अमेरिकी टैरेनर का भारत को माझूरी नुकसान, दीर्घकालिक फायदा

• भारत अब दुनिया का आर्थिक लांचिंग पैड बना

की ज़रूरत है, जिसे भारत उपलब्ध करा सकता है। बैंगलुरु से आए प्रसाद अमार्याचार्य, जो 1995 बैच के छात्र नहीं हैं, वर्तमान में कैरेजिनी आईआईएम कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की संस्थान (आईआईएम), लखनऊ के पूर्व छात्रों का, जो संस्थान के नॉस्टेलिज्या-2025 कार्यक्रम में भाग लेने देश-विदेश से लखनऊ की जीविती में संपन्न हुआ। नवोदित नरसिंग घोरे के प्रतीत अपनी निष्ठा की शाश्य ली।

**भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों पर शोध हुआ पूरा**

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विद्यालयों के शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्र न्यांदा जेंजामिन ने प्रथम अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी के रूप में डॉक्टर ऑफ लैसलीसीपी (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की है। उनका शोध कार्य प्रशासनिक नेतृत्व एवं शैक्षक डिजिटलीकरण विषय पर पूर्ण हुआ। यह शोध डॉ. किरण लता डांगावाल के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते मुख्य अतिथियों ने यादों में निर्देशक प्रो. एप्सी के उपरिधित करने का अवलोकन करते हुए।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताएँ, परंपराएँ और संस्कृति के विकास के लिए अवलोकन करते हुए। इस अध्ययन में भारत और तंजनिया के माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर प्रशासनिक नेतृत्व की भूमिका का विवरण किया गया।

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल के अवसर अवसर भी रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों व अवश्यकताए